

12.6.17 पञ्जावली पेश उभयपक्ष
जम्बित/पुनर्प्राप्त अधिकार की
अर्थात् 20.08.17 को पञ्जावली
दिनांक 27.11.17 को पेश है।

जादव से लिखर

27-11-17

~~पञ्जावली पेश उभयपक्ष उभयपक्ष
वहस सुनी गई। पुनर्प्राप्त से दिनांक
15-12-17 को पेश है।~~

11-12-17

~~Request~~

पञ्जावली पेश। उभयपक्ष की
वहस सुनी गई। प्रार्थना पत्र के
तत्पश्चात् इस प्रकार है कि प्रार्थना
के स्व-पिता की मरणावधि नहीं
के सुनाते हैं वापस भारत शास
हस्ताक्षरों के जमाबंदी सम्वत् 2017
में 2021 की जमाबंदी में शराबिक्य आराज
नम्बर 863/2 शका 2018। 10 किरवा
नम्बर 863/2 शका 2018 (सेवलेट)
के समस्त जोपका शकाली तं पार की गई
जिस में आराज नम्बर 863/2 के
हाल आराज नम्बर 1805/1136 शका
15 किरवा वापस नर विलालाम
शरवाज नर की गई। प्रार्थना
अपने पिता के जीवकाल में ही
प्राक्ज होकर भारत नरते रहें
आ रहे हैं अतः उक्त आराजिमात
पर प्रार्थना भारत नर हुक्म
शुभे की उपयोग हुक्मोग नरन
पर विनी प्रकार की कानून
उत्पन्न नहीं कर विपसी वा

उपखण्ड अधिकारी
भोजवाड़ा (राज.)

अस्पष्ट लिखे धाड़ा से पाकंद विपण
जावै

प्रायोगिक नोट, परिपत्ता व वकीलवादी
की बहरन सुनी गई। लिपि भी द्वारा
प्रायोगिक नोट को देखकर कारने नोट नोट के
दस्तावेज आरूप में नहीं लिखे गए हैं।
प्रायोगिक नोट, परिपत्ता-पत्र इत्यादी लिखी
जाता है।

मुजफ्फरपुर 11.12.2017 को निर्माण
सुले न्यायालय में सुनाया गया।
धनवती देवी शर्मा के नाम
पर से नाम है।

उपखण्ड अधिकारी
बीलवाड़ा (राज.)